कार्यशाला : बस्तर के पर्यटन पर विवि में हुई चर्चा

स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाता है सस्टेनेबल टूरिज्म

कार्यशाला के दौरान मौजूद विवि के प्राध्यापकगण और स्टूडेंट्स।

जगदलपुर @ पत्रिका . बस्तर इको टूरिज्म के हब बनने की विशेषता रखता है। यहां के इको टूरिज्म को सस्टेनेबल भी बनाया जा सकता है। सस्टेनेबल टूरिज्म न केवल स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाता है बल्कि यह प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी मदद करता है।

यह बातें कल्चर देवी की संस्थापक बी बिंदू ने व्यक्त किए। वे शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सोमवार को इनोवेटिव पाथवे इन प्रोटोटाइप, प्रोसेस डिजाइन एंड सस्टेनेबल फ्यूचर इन बस्तर टूरिज्म विषय पर आयोजित वर्कशॉप में बतौर रिसोर्स पर्सन संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर मिस बिंदू ने इको टूरिज्म के विभिन्न पक्षों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बस्तर में क्षेत्रीय विकास और सतत प्रगति के लिए सस्टेनेबल टूरिज्म बहुत ही लाभकारी होगा। कार्यशाला के दूसरे सत्र में अतुल कुमार पाणिग्रही ने प्रोटोटाइपिंग और डिजाईन प्रक्रिया में नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने डिजाइन थिंकिंग के सिद्धांतों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने स्टार्टअप और इंटरप्रयोनरशिप के लिए वितीय सुझाव दिए। आईआईसी क्वार्टर तीन और पीएम उषा मेरू कम्पोनेंट के तहत आयोजित कार्यशाला में डॉ. सजीवन कुमार, डॉ. भुनेश्वर लाल साहू, डॉ. तूलिका शर्मा, डॉ. रश्मि देवांगन, डॉ. गुरूप्रीत सौंद, डॉ. पूर्णिमा चटर्जी, डॉ. रेखा नागवंशी, डॉ. विष्णु प्रताप सिंह, विमलेष साहू सहित अन्य उपस्थित थे। डॉ. भेनु ने कार्यक्रम का संचालन किया।